महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ, उ0प्र0।

एम0ए0 संस्कृत पाठ्यक्रम

(द्विवर्षीय पूर्णकालिक)

सी.बी.सी.एस. एवं सेमेस्टर प्रणाली

Azamgarh University

एम0ए0 संस्कृत, पाठ्यक्रम

(राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार सत्र 2022–23 से प्रभावी)

दिनांक-

कुलसचिव कार्यालय द्वारा जारी पत्र के पत्रांक संख्या- ६६७/पी० ए०/२०२२ एवं माननीय कुलपति महोदय के आदेश दिनांक ०१/११/२०२२ द्वारा नामित **एम० ए० संस्कृत अध्ययन परिषद** के संयोजक सहित बाह्य विषय-विशेषज्ञों एवं सदस्यों द्वारा कारित एवं पारित-

हस्ताक्षर संयोजक	हस्ताक्षर बाह्य विषय-विशेषज्ञ	हस्ताक्षर बाह्य विषय-विशेषज्ञ
V. Pandey		
प्रो० वन्दना पाण्डेय प्राचार्य सर्वोदय पी०जी० कालेज घोसी, मऊ	**डॉ० शरदिन्दु कुमार त्रिपाठी** एसो० प्रो० कला संकाय, संस्कृत विभाग काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी	**डॉ० वन्दना द्विवेदी** एसो० प्रो० नवयुग कन्या महाविद्यालय, लखनऊ

हस्ताक्षर सदस्य	हस्ताक्षर सदस्य	हस्ताक्षर सदस्य
R.P. Mishra	मनोज कुमार द्विवेदी	Anurag Mishra
डॉ० रामप्रताप मिश्र भाषा संकाय, संस्कृत विभाग डी०सी०एस० खण्डेलवाल स्नातकोत्तर महाविद्यालय मऊनाथ भंजन, मऊ	**डॉ० मनोज कुमार द्विवेदी** भाषा संकाय, संस्कृत विभाग श्री शिवा डिग्री कालेज तेरहीं, कप्तानगंज आजमगढ़	**डॉ० अनुराग मिश्र** भाषा संकाय, संस्कृत विभाग गांधी शताब्दी स्मारक स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोयलसा, आजमगढ़

V. Pandey

महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़ हेतु

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में जारी दिशा–निर्देशों के अनुरूप एम.ए. संस्कृत का पाठ्यक्रम

सत्र–2022–2023 से लागू

निर्देश :

संस्कृत के इस पाठ्यक्रम में कुल 4 सेमेस्टर होंगे। प्रत्येक सेमेस्टर में 4–4 प्रश्नपत्रों की लिखित परीक्षा होगी। सेमेस्टर–1 सेमेस्टर–2, सेमेस्टर–3 एवं सेमेस्टर–4 के सभी प्रश्नपत्रों की लिखित परीक्षा हेतु 75 अंक तथा आंतरिक मूल्यांकन हेतु 25 अंक निर्धारित है। प्रत्येक प्रश्नपत्र हेतु 5 क्रेडिट का प्रावधान है।

प्रश्नपत्रों का खण्ड विभाजन :

प्रत्येक प्रश्नपत्र तीन खण्डों में विभाजित हैं–खण्ड–अ, खण्ड–ब तथा खण्ड–स

खण्ड–अ : इस खण्ड में सम्बंधित सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से अतिलघूत्तरीय प्रकार के कुल 10 प्रश्न पूछे जाएंगे। सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक निर्धारित है। इस प्रकार, इस खण्ड में कुल 10 X 2 = 20 अंक निर्धारित है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर के लिए अधिकतम शब्द सीमा 50 होगी।

खण्ड–ब : इस खण्ड में सम्बंधित सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से लघुत्तरीय प्रकार के कुल 8 प्रश्न मुद्रित होंगे, जिनमें से 5 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। इसमें यदि व्याख्या के प्रश्न होंगे तब उस स्थिति में व्याख्या के 3 प्रश्न करने अनिवार्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 7 अंक निर्धारित है। इस प्रकार, इस खण्ड में कुल 5 X 7 = 35 अंक निर्धारित हैं। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर के लिए अधिकतम शब्द सीमा 200 होगी।

खण्ड–स : इस खण्ड में सम्बंधित सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से निबंधात्मक–समीक्षात्मक प्रकार के कुल 4 प्रश्न मुद्रित होंगे, जिनमें से केवल 2 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित है। इस प्रकार, इस खण्ड में कुल 2×10 = 20 अंक निर्धारित हैं। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर के लिए अधिकतम शब्द–सीमा 500 होगी।

सेमेस्टर–1, 2, 3 एवं 4 के प्रत्येक प्रश्नपत्र हेतु अंक विभाजन सारणी

खण्ड–अ : अतिलघुउत्तरीय प्रश्न (शब्द सीमा–50)	10 X 2 = 20 अंक
खण्ड–ब : लघुउत्तरीय प्रश्न (शब्द सीमा–200)	5 X 7 = 35 अंक
खण्ड–स : निबंधात्मक प्रश्न (शब्द सीमा–500)	2 X 10 = 20 अंक
कुल	लिखित पूर्णांक = 75 अंक आंतरिक मूल्यांकन = 25 अंक पूर्णांक (75+25) = 100 अंक प्रत्येक प्रश्नपत्र = 5 क्रेडिट

महाराजा सुहेल देव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़
राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020
स्नातक (शोध सहित) एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में प्रश्नपत्रों के सेमेस्टरवार प्रश्नपत्र
(विषय–संस्कृत)

वर्ष	सेमेस्टर	प्रश्नपत्र / कोर्स	प्रश्नपत्र / कोर्स कोड	प्रश्नपत्र का शीर्षक	लिखित / प्रायोगिक	कालांश / व्याख्यान	पूर्णांक	क्रेडिट
एम.ए. प्रथम वर्ष	प्रथम / सप्तम्	प्रथम	A020701T	वेद एवं उपनिषद	लिखित	60	100 (25+75)	05
		द्वितीय	A020702T	निबन्ध, व्याकरण एवं भाषा विज्ञान	लिखित	60	100 (25+75)	05
		तृतीय	A020703T	भारतीय दर्शन	लिखित	60	100 (25+75)	05
		चतुर्थ	A020704T	काव्य एवं काव्यशास्त्र	लिखित	60	100 (25+75)	05
		पंचम	A020705R	बृहद् शोध परियोजना	शोधप्रबन्ध / डिजर्टेशन	–––	–––	04
एम.ए. प्रथम वर्ष	द्वितीय / अष्टम्	प्रथम	A020801T	वेद एवं उपनिषद	लिखित	60	100 (25+75)	05
		द्वितीय	A020802T	व्याकरण एवं अनुवाद	लिखित	60	100 (25+75)	05
		तृतीय	A020803T OR A020804T	भारतीय दर्शन (अथवा) पालि, प्राकृत एवं अपभ्रंश	लिखित	60	100 (25+75)	05
		चतुर्थ	A020805T OR A020806T	काव्य शास्त्र (अथवा) पुराण एवं स्मृति	लिखित	60	100 (25+75)	05
		पंचम	A020807R	बृहद् शोध परियोजना	शोधप्रबन्ध / डिजर्टेशन	..	100 (25+75)	04

- स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष में, एक माइनर इलेक्टिव पेपर (मुख्य विषय से अलग किसी अन्य संकाय का, क्रेडिट–04 का) का चयन करना होगा।
- •• प्रथम वर्ष का क्रेडिट विवरण–~~40 (सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक पाठ्यक्रम) +~~ 8 (बृहद् शोध परियोजना) + 4 (माइनर इलेक्टिव पेपर) = 52 क्रेडिट।
- ••• 100 पूर्णांक (50+50) एवं 8 क्रेडिट (4+4) वाले बृहद् शोध परियोजना का संयुक्त मूल्यांकन प्रत्येक वर्ष के अन्त में होगा।

एम0 ए0 द्वितीय वर्ष

वर्ष	सेमेस्टर	प्रश्नपत्र / कोर्स	प्रश्नपत्र / कोर्स कोड	प्रश्नपत्र का शीर्षक	लिखित / प्रायोगिक	कालांश / व्याख्यान	पूर्णांक	क्रेडिट
एम.ए. द्वितीय वर्ष	तृतीय / नवम्	प्रथम	A020901T	व्याकरण एवं भाषा विज्ञान	लिखित	60	100 (25+75)	05
		द्वितीय	A020902T	आधुनिक संस्कृत साहित्य	लिखित	60	100 (25+75)	05
		तृतीय	A020903T OR A020904T	धर्मशास्त्र एवं अर्थशास्त्र (अथवा) रूपक और चम्पू काव्य	लिखित	60	100 (25+75)	05
		चतुर्थ	A020905T OR A020906T	गद्य काव्य (अथवा) लिपि और अभिलेख	लिखित	60	100 (25+75)	05
		पंचम	A020907R	बृहद् शोध परियोजना	शोधप्रबन्ध / डिजर्टेशन	———	———	04
एम.ए. द्वितीय वर्ष	चतुर्थ / दशम्	**चतुर्थ सेमेस्टर (वैकल्पिक) अग्रांकित चार वर्गों में से कोई भी एक वर्ग**						
		Group-A					(वेद–वर्ग)	
		प्रथम	A020101T	ऋग्वेद संहिता एवं निरूक्त	लिखित	60	100 (25+75)	05
		द्वितीय	A020102T	शुक्ल यजुर्वेद एवं प्रातिशाक्य	लिखित	60	100 (25+75)	05
		तृतीय	A020103T	ऋग्वेद प्रातिशाक्य	लिखित	60	100 (25+75)	05
		चतुर्थ	A020104T	ब्राह्मण मीमांसा एवं वैदिक साहित्य	लिखित	60	100 (25+75)	05
		Group-B					(साहित्य–वर्ग)	
		प्रथम	A020105T	गद्य एवं काव्य	लिखित	60	100 (25+75)	05
		द्वितीय	A020106T	नाटक	लिखित	60	100 (25+75)	05
		तृतीय	A020107T	काव्यशास्त्र एवं नाट्यशास्त्र	लिखित	60	100 (25+75)	05
		चतुर्थ	A020108T	नाटक एवं नाट्यशास्त्र	लिखित	60	100 (25+75)	05
		Group-C					(दर्शन–वर्ग)	
		प्रथम	A020109T	न्याय वैशेषिक	लिखित	60	100 (25+75)	05

		द्वितीय	A020110T	सांख्य योग दर्शन	लिखित	60	100 (25+75)	05
		तृतीय	A020111T	वैदिक एवं अवैदिक दर्शन	लिखित	60	100 (25+75)	05
		चतुर्थ	A020112T	वेदांत एवं मीमांसा	लिखित	60	100 (25+75)	05
		Group-D (व्याकरण–वर्ग)						
		प्रथम	A020113T	व्याकरण परम्परा	लिखित	60	100 (25+75)	05
		द्वितीय	A020114T	प्राचीन पाणिनीय व्याकरण	लिखित	60	100 (25+75)	05
		तृतीय	A020115T	काशिका एवं प्रत्यय	लिखित	60	100 (25+75)	05
		चतुर्थ	A020116T	अष्टाध्यायी शिक्षा, सिद्धान्त कौमुदी एवं आचार्य परिचय	लिखित	60	100 (25+75)	05
		सभी वर्ग के लिए अनिवार्य						
		पंचम	A020118R	बृहद् शोध परियोजना	शोधप्रबन्ध / डिजर्टेशन	..	100 (25+75)	04

क्रेडिट विवरण :

•एम0ए0 द्वितीय वर्ष (3/9 एवं 4/10 सेमेस्टर) 48 क्रेडिट का होगा।

~~40 (सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक पाठ्यक्रम)~~ +8 (बृहद् शोध परियोजना।

•• इस प्रकार एम0ए0 का द्विवर्षीय पाठ्यक्रम (एम0ए0 प्रथम वर्ष–स्नातक शोध सहित (52 क्रेडिट) एवं द्वितीय वर्ष स्नातकोत्तर (48 क्रेडिट)) कुल 100 (52+48) क्रेडिट का होगा।

••• एम0ए0 के सभी सेमेस्टर के प्रश्नपत्र "पंचम ~~एवं षष्ठ~~" प्राध्यापक अपनी इच्छानुसार विषय देंगे।

पाठ्यक्रम विवरण एवं सहायक ग्रन्थ सूची

एम0ए0 प्रथम वर्ष

सेमेस्टर–प्रथम / सप्तम्

प्रथम प्रश्नपत्र : सत्रीय परीक्षण : अंक 25, अंक 75 पूर्णांक : 100

वेद एवं उपनिषद (A020701T)

भाग–1 –विश्वामित्र नदी संवाद (3.33 ऋग्वेद) उषस् (3. 61), वरुण सूक्त (ऋग्वेद 1.25) नासदीय सूक्त (10.129 ऋग्वेद) सूर्य (1.125 ऋग्वेद) (30 अंक)
कठोपनिषद प्रथम अध्याय –प्रथम वल्ली (10 अंक)

भाग–2 – कठोपनिषद प्रथम अध्याय –द्वितीय वल्ली (10 अंक)

भाग–4 – कठोपनिषद प्रथम अध्याय – तृतीय वल्ली, तीनों से समीक्षात्मक प्रश्न (20 अंक)

भाग–5 –तैत्तिरीयोपनिषद – शीक्षा वल्ली (30 अंक)

सहायक ग्रंथ–

1. वेदसूक्तचयनम् – डॉ0 कुमार पाल सिंह
2. वेद सूक्त संग्रह – डॉ0 उमेश पाण्डेय
3. ऋक्सूक्तचयनम् – डॉ0 वी.के. वर्मा
4. ऋक्सूक्तचयनम् – डॉ0 के.पी. सिंह
5. न्यू वैदिक सेलेक्शन – पं0 के.एन.एस. तेलंग एव बी.बी. चौबे
6. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति– डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी
7. कठोपनिषद – डॉ0 उमेश पाण्डेय
8. कठोपनिषद – गीता प्रेस गोरखपुर
9. तैतिरीयोपनिषद – गीता प्रेस गोरखपुर

द्वितीय प्रश्नपत्र : सत्रीय परीक्षण : अंक 25, अंक 75 पूर्णांक : 100

निबन्ध, व्याकरण एवं भाषा विज्ञान (A020702T)

भाग–1 – सिद्धान्त कौमुदी (कारक प्रकरण) (50 अंक)

भाग–2 – भाषा के चार घटक तत्व – स्वनिम, रूपिम, पदिम, अर्थिम। (20 अंक)

भाग–3 – ध्वनि परिवर्तन के कारण एवं दिशायें। (15 अंक)

भाग–4 – ध्वनि नियम – ग्रिम नियम, ग्रासमान नियम, वर्नर नियम। (15 अंक)

सहायक ग्रंथ–

1. भाषा विज्ञान – डॉ0 भोलानाथ तिवारी
2. भाषा विज्ञान – डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी
3. संस्कृत का भाषा शास्त्रीय अध्ययन– डॉ0 भोला शंकर व्यास
4. सिद्धान्त कौमुदी (कारक प्रकरण) – श्री कलानाथ झा
5. सिद्धान्त कौमुदी (कारक प्रकरण) – श्री तरिणीश झा
6. संस्कृत निबन्ध शतकम् – डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी

तृतीय प्रश्नपत्र : सत्रीय परीक्षण : अंक 25, अंक 75 पूर्णांक : 100

भारतीय दर्शन (A020703T)

भाग–1	–	सांख्यकारिका –	(1–35 कारिका)	(20 अंक)
भाग–2	–	सांख्यकारिका –	(36– समाप्ति पर्यन्त कारिका)	(20 अंक)
भाग–3	–	वेदान्तसार –	(1–35)	(20 अंक)
भाग–4	–	वेदान्तसार –	(36– समाप्ति पर्यन्त)	(20 अंक)
भाग–5	–	उपरोक्त दोनों ग्रंथों से समालोचनात्मक प्रश्न एवं व्याख्या		(20 अंक)

सहायक ग्रंथ–

1. सांख्यकारिका – डॉ0 गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर
2. सांख्यकारिका – डॉ0 आद्या प्रसाद मिश्र
3. सांख्यकारिका – डॉ0 ब्रजमोहन चतुर्वेदी
4. सांख्य सिद्धान्त – डॉ0 उदयवीर शास्त्री
5. वेदान्तसार – डॉ0 सन्त नारायण श्रीवास्तव
6. वेदान्तसार – डॉ0 आद्या प्रसाद मिश्र
7. वेदान्तसार – डॉ0 बदरीनाथ शुक्ल
8. वेदान्तसार – डॉ0 राममूर्ति शर्मा
9. वेदान्तसार – डॉ0 श्रीनिवास शास्त्री

चतुर्थ प्रश्नपत्र : सत्रीय परीक्षण : अंक 25, अंक 75 पूर्णांक : 100

काव्य एवं काव्यशास्त्र (A020704T)

भाग–1	–	मेघदूतम्	– पूर्वमेघ।	(20 अंक)
भाग–2	–	काव्य प्रकाश	– प्रथम उल्लास।	(20 अंक)
भाग–3	–	काव्य प्रकाश	– द्वितीय उल्लास (अभिधावृत्ति एवं लक्षणा)	(20 अंक)
भाग–4	–	काव्य प्रकाश	– " " व्यंजनावृत्ति भेद प्रभेद सहित।	(20 अंक)
भाग–5	–	कालिदास के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का समालोचनात्मक परिचय–मेघदूत के सन्दर्भ में।		(20 अंक)

सहायक ग्रंथ–

1. मेघदूतम् – डॉ0 विजेन्द्र कुमार शर्मा, साहित्य भण्डार मेरठ।
2. मेघदूतम् – डॉ0 रमाशंकर त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन।
3. मेघदूत एक अनुशीलन–श्री रंजन सुरीदेव मोतीलाल बनारसीदास
4. काव्य प्रकाश – आचार्य विश्वेश्वर, ज्ञानमण्डल वाराणसी।
5. काव्य प्रकाश – श्रीनिवास शास्त्री, साहित्य भण्डार मेरठ
6. काव्य प्रकाश – डॉ0 पारसनाथ द्विवेदी, वाराणसी।
7. काव्य प्रकाश–डॉ0 सत्यब्रत सिंह, चौखम्भा विद्या भवन वाराणसी।

V. Rao

पाठ्यक्रम विवरण एवं सहायक ग्रन्थ सूची

एम0ए0 प्रथम वर्ष

सेमेस्टर–द्वितीय / अष्टम्

प्रथम प्रश्नपत्र : सत्रीय परीक्षण : अंक 25, अंक 75 पूर्णांक : 100

वेद एवं उपनिषद (A020801T)

भाग–1	– ऋग्वेदभाष्य भूमिका।	(25 अंक)
भाग–2	– अथर्ववेद राष्ट्राभिवर्धनम् (1–29)	(15 अंक)
भाग–3	– शुक्लयजुर्वेद – शिवसंकल्पसूक्त (1–6)	(10 अंक)
भाग–4	– तैत्तिरीयोपनिषद् – ब्रह्मानन्द वल्ली।	(30 अंक)
भाग–5	– वेदों एवं उपनिषदों का परिचय–तत्सम्बन्धी समीक्षात्मक प्रश्न।	(20 अंक)

सहायक ग्रंथ–

1. ऋग्वेदभाष्य भूमिका – डॉ0 हरिदत्त शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ।
2. शिवसंकल्पसूक्त – डॉ0 त्रिलोकीनाथ द्विवेदी, चौखम्भा प्रकाशन।
3. तैत्तिरीयोपनिषद – गीता प्रेस, गोरखपुर।
4. न्यू वैदिक सेलेक्शन – डॉ0 के0एन0एस0 तैलंग एवं बी0बी0 चौबे

द्वितीय प्रश्नपत्र : सत्रीय परीक्षण : अंक 25, अंक 75 पूर्णांक : 100

व्याकरण एवं अनुवाद (A020802T)

भाग–1	– पातंजलमहाभाष्य –(पस्पशाह्निक)	(40 अंक)
भाग–2	– लघुसिद्धान्त कौमुदी (समास प्रकरण) – (क) अव्ययी भाव (ख) तत्पुरूष। (ग) बहुब्रीहि (घ) द्वन्द समास।	(40 अंक)
भाग–3	– स्त्री प्रत्यय (सूत्र व्याख्या एवं सिद्धि।	(20 अंक)

सहायक ग्रंथ–

1. पातंजलमहाभाष्य – डॉ0 जयशंकर लाल मिश्र
2. पातंजलमहाभाष्य – डॉ0 युधिष्ठिर मीमांसक
3. लघुसिद्धान्त कौमुदी– आचार्य श्री धरानन्द शास्त्री
4. लघुसिद्धान्त कौमुदी– श्री महेशचन्द्र कुशवाहा
5. लघुसिद्धान्त कौमुदी– भैमी व्याख्या – आचार्य भीमसेन शास्त्री
6. अनुवाद चन्द्रिका – श्री चक्रधर नौटियाल, हंस, मोतीलाल बनारसी दास
7. संस्कृत रचना अनुवाद कौमुदी – डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी

तृतीय प्रश्नपत्र : सत्रीय परीक्षण : अंक 25, अंक 75 पूर्णांक : 100

भारतीय दर्शन (A020803T)

भाग–1 – योगसूत्र – समाधिपाद (1–30 सूत्र) (40 अंक)
भाग–2 – तर्कभाषा – कारण निरूपण पर्यन्त। (15 अंक)
भाग–3 – तर्कभाषा – प्रत्यक्ष प्रमाण। (15 अंक)
भाग–4 – तर्कभाषा – अनुमान प्रमाण। (15 अंक)
भाग–5 – तर्कभाषा – शब्द एवं उपमान प्रमाण पर्यन्त। (15 अंक)

(उपर्युक्त ग्रंथों से व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न)

सहायक ग्रंथ–

1. योगसूत्र – ब्रह्मलीन मुनि, चौखम्भा प्रकाशन, वाराणसी।
2. तर्कभाषा – डॉ0 गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर
3. तर्कभाषा – डॉ0 आद्याप्रसाद मिश्र
4. तर्कभाषा – डॉ0 श्रीनिवास मिश्र

तृतीय प्रश्नपत्र (वैकल्पिक) सत्रीय परीक्षण : अंक 25, अंक 75 पूर्णांक : 100

पालि, प्राकृत एवं अपभ्रंश (A020804T) (वैकल्पिक)

भाग–1 – पालि पाठमाला से सुंसुमारजातकम्, वानरिन्दजातकम्, उलूकजातकम्। (35 अंक)
भाग–2 – प्राकृत प्रवेशिका से सुभाषितानि, दोला–लीला, चक्रवत्परिवर्तन्ते तथा अभिशापमर्षणम्।(35 अंक)
भाग–3 – अपभ्रंश – दोहा कोष, अपभ्रंशमुक्तसंग्रह। (30 अंक)

सहायक ग्रंथ–

1. पालि–प्राकृत–अपभ्रंश संग्रह – डॉ0 राम अवध पाण्डेय एवं रविनाथ मिश्रा, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
2. पालि–प्राकृत संग्रह – डॉ0 शक्तिमान सिंह, चौखम्भा,वाराणसी।

N. Rama

चतुर्थ प्रश्नपत्र : सत्रीय परीक्षण : अंक 25, अंक 75 पूर्णांक : 100

काव्यशास्त्र (A020805T)

भाग–1	– ध्वन्यालोक (प्रथम उद्योत लोचनटीका सहित)	(40 अंक)
भाग–2	– काव्यप्रकाश (नवम् उल्लास)	(30 अंक)
भाग–3	– काव्यप्रकाश (दशम् उल्लास)	(30 अंक)

सहायक ग्रंथ–

1. ध्वन्यालोक – पं0 जगन्नाथ पाठक
2. ध्वन्यालोक – पं0 रामसागर त्रिपाठी
3. ध्वन्यालोक – डॉ0 त्रिलोकीनाथ द्विवेदी
4. काव्यप्रकाश – डॉ0 सत्यब्रत सिंह
5. काव्यप्रकाश – आचार्य विश्वेश्वर
6. काव्यप्रकाश – डॉ0 पारसनाथ द्विवेदी

चतुर्थ प्रश्नपत्र : वैकल्पिक सत्रीय परीक्षण : अंक 25, अंक 75 पूर्णांक : 100

पुराण एवं स्मृति (A020806T) (वैकल्पिक)

भाग–1	– पौराणिक साहित्य का परिचय	(25 अंक)
	– (क) पुराणों के लक्षण।	
	(ख) पुराणों का वर्गीकरण।	
	(ग) उप पुराण।	
भाग–2	– मनुस्मृति (द्वितीय अध्याय)	(25 अंक)
भाग–3	– पुराण सम्बन्धित आलोचनात्मक प्रश्न।	(15 अंक)
भाग–4	– मनुस्मृति पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न।	(15 अंक)
भाग–5	– श्रीमद्भागवत् पुराण से भ्रमरगीत से प्रश्न एवं श्लोकों की व्याख्या।	(20 अंक)

सहायक ग्रंथ–

1. पुराण विमर्श – आचार्य बलदेव उपाध्याय
2. श्रीमद्भागवत् पुराण– गीता प्रेस, गोरखपुर।
3. मनुस्मृति – श्री गिरिधर गोपाल शर्मा, चौखम्भा प्रकाशन, वाराणसी।

पाठ्यक्रम विवरण एवं सहायक ग्रन्थ सूची

एम0ए0 द्वितीय वर्ष

सेमेस्टर–तृतीय

प्रथम प्रश्नपत्र : सत्रीय परीक्षण : अंक 25, अंक 75 पूर्णांक : 100

व्याकरण एवं भाषा विज्ञान (A020901T)

भाग–1 – लघुसिद्धान्त कौमुदी – कृदन्त प्रत्यय (सूत्र व्याख्या एवं सिद्धि) (30 अंक)
भाग–2 – लघुसिद्धान्त कौमुदी – तद्धित प्रत्यय (सूत्र व्याख्या एवं सिद्धि) (30 अंक)
भाग–3 – (क) भाषा की उत्पत्ति – भाषा का वर्गीकरण। (10 अंक)
भाग–4 – (ख) भारोपीय भाषा परिवार का परिचय, विशेषताएं। (15 अंक)
भाग–5 – (ग) भाषाओं का वर्गीकरण– आकृतिमूलक एवं पारिवारिक। (15 अंक)

सहायक ग्रंथ–

1. भाषा विज्ञान – डॉ0 भोलानाथ तिवारी
2. भाषा विज्ञान – डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी
3. लघुसिद्धान्त कौमुदी (भैमी व्याख्या) – आचार्य भीमसेन शास्त्री।
4. लघुसिद्धान्त कौमुदी – श्री धरानन्द शास्त्री
5. लघुसिद्धान्त कौमुदी – डॉ0 महेशचन्द्र कुशवाहा

द्वितीय प्रश्नपत्र : सत्रीय परीक्षण : अंक 25, अंक 75 पूर्णांक : 100

आधुनिक संस्कृत साहित्य (A020902T)

भाग–1 – प्रो0 अभिराज राजेन्द्र मिश्र कृत – अरण्यानी। (30 अंक)
भाग–2 – डॉ0 रमाकान्त शुक्ल – भाति मे भारतम् (150 श्लोक)। (30 अंक)
भाग–3 – आधुनिक संस्कृत साहित्य का परिचय, प्रवृत्तियाँ एवं साहित्यिक विधाएं। (20 अंक)
भाग–4 – आधुनिक कवियों का संक्षिप्त परिचय– (20 अंक)

1. आचार्य भट्टमथुरानाथ शास्त्री
2. आचार्य जानकी वल्लभ शास्त्री
3. आचार्य बटुकनाथ शास्त्री खिस्ते
4. आचार्य बच्चूलाल अवस्थी
5. आचार्य रेवा प्रसाद द्विवेदी
6. आचार्य श्रीनिवास रथ
7. आचार्य रहस बिहारी द्विवेदी
8. प्रो0 राधावल्लभ त्रिपाठी
9. प्रो0 अभिराज राजेन्द्र मिश्र
10. प्रो0 प्रभुनाथ द्विवेदी
11. पं0 रतिनाथ झा

सहायक ग्रंथ–

1. अद्यतन संस्कृत कविता संग्रह – डॉ0 सुधाकर द्विवेदी
2. संस्कृत वांड्मय का बृहद् इतिहास (सप्तम खण्ड) डॉ0 बलदेव उपाध्याय, उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ।
3. संस्कृत काव्य की अर्वाचीन परम्परा – राजमंगल यादव, प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली
4. आधुनिक संस्कृत साहित्य संचयन – डॉ0 गिरीश चन्द पन्त, डॉ0 बलराम शुक्ल एवं डॉ0 चन्द्रशेखर त्रिपाठी, बी0 पब्लिकेशन, चेन्नई।

N. Pant

तृतीय प्रश्नपत्र : सत्रीय परीक्षण : अंक 25, अंक 75 पूर्णांक : 100

धर्मशास्त्र एवं अर्थशास्त्र (A020903T)

भाग–1	– प्रमुख स्मृतियों का सामान्य परिचय।	(30 अंक)
भाग–2	– कौटिलीय अर्थशास्त्र (प्रथम विनयाधिकारिक)	(35 अंक)
भाग–3	– याज्ञवल्क्य स्मृति (व्यवहाराध्याय)	(35 अंक)

सहायक ग्रंथ–

1. धर्मशास्त्र का इतिहास – डॉ0 पी0पी0 काणे, उ0प्र0 हिन्दी संस्थान, लखनऊ।
2. धर्मशास्त्रीय विषयों का परिशीलन – श्रीधर त्रिपाठी, मिथिला संस्कृत विद्यापीठ, दरभंगा।
3. कौटिल्य अर्थशास्त्र – डॉ0 वाचस्पति गैरोला, चौखम्भा प्रकाशन, वाराणसी।
4. याज्ञवल्क्य स्मृति – डॉ0 उमेशचन्द्र पाण्डेय
5. भारतीय धर्म एवं दर्शन – आचार्य बलदेव उपाध्याय, शारदा प्रकाशन, वाराणसी।

तृतीय प्रश्नपत्र :(वैकल्पिक) सत्रीय परीक्षण : अंक 25, अंक 75 पूर्णांक : 100

रूपक और चम्पूकाव्य (A020904T) (वैकल्पिक)

भाग–1	– रूपक एवं चम्पूकाव्य का उद्भव एवं विकास।	(15 अंक)
भाग–2	– शूद्रककृत मृच्छकटिकम् (1–3 अंक)	(30 अंक)
भाग–3	– भवभूतिकृत उत्तररामचरितम् (1–3 अंक)	(30 अंक)
भाग–4	– नलचम्पू प्रथम उच्छ्वास (आर्यावर्तवर्णनपर्यन्त)	(25 अंक)

सहायक ग्रंथ–

1. मृच्छकटिकम् – एम.आर. काले, मोतीलाल बनारसीदास।
2. मृच्छकटिकम् – श्रीनिवास शास्त्री, साहित्य भण्डार मेरठ।
3. उत्तररामचरितम् – श्री प्रभुदत्त शास्त्री, ज्ञान प्रकाशन, मेरठ।
4. नलचम्पू – श्री धारादत्त शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास।
5. नलचम्पू – पं0 परमेश्वरदीन पाण्डेय, चौखम्भा विद्याभवन, वाराणसी।
6. मृच्छकटिकम् – डॉ0 जगदीश चन्द्र मिश्र, चौखम्भा विद्याभवन, वाराणसी।

चतुर्थ प्रश्नपत्र : सत्रीय परीक्षण : अंक 25, अंक 75 पूर्णांक : 100

गद्यकाव्य (A020905T)

भाग–1 – गद्यकाव्य उत्पत्ति एवं विकास, कथा एवं आख्यायिका, प्रमुख गद्यकवियों का सामान्य परिचय। (20 अंक)

भाग–2 – हर्षचरितम् – पंचम् उच्छ्वास। (40 अंक)

भाग–3 – दशकुमार चरितम् – अष्टम् उच्छ्वास। (40 अंक)

सहायक ग्रंथ–

1. हर्षचरितम् – श्री जगन्नाथ पाठक, चौखम्भा विद्याभवन, वाराणसी।
2. हर्षचरितम् – श्री मोहनदेव पंत, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी।
3. दशकुमार चरितम्–
4. संस्कृत साहित्य का इतिहास – डॉ0 उमाशंकर ऋषि
5. संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास – डॉ0 राधाबल्लभ त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

चतुर्थ प्रश्नपत्र : सत्रीय परीक्षण : अंक 25, अंक 75 पूर्णांक : 100

लिपि और अभिलेख (A020906T)

भाग–1 – लिपि और अभिलेख का सामान्य परिचय। (15 अंक)

भाग–2 – गुप्तकालीन तथा अशोककालीन ब्राह्मी लिपि। (15 अंक)

भाग–3 – अशोक के अभिलेख – प्रमुख शिलालेख, प्रमुख स्तम्भ। (20 अंक)

भाग–4 – मौर्योत्तरकालीन अभिलेख – सारनाथ बौद्ध प्रतिमालेख, रूद्रदामन का गिरनार अभिलेख, खारवेल का हाथी गुम्फा अभिलेख। (25 अंक)

भाग–5 – गुप्तकालीन एवं गुप्तोत्तरकालीन अभिलेख – समुद्रगुप्त का इलाहाबाद स्तम्भ लेख, यशोवर्धन का मन्दसौर शिलालेख, हर्ष का बांसखेड़ा ताम्रपट अभिलेख, पुलकेशिन द्वितीय का ऐहोल शिलालेख। (25 अंक)

सहायक ग्रंथ–

1. प्राचीन भारतीय लिपि एवं अभिलेख – डॉ0 गोपाल यादव, कला प्रकाशन,वाराणसी।
2. प्राचीन लिपि माला – डॉ0 श्रीकृष्ण जुगनू, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर।
3. विश्व की मूललिपि ब्राह्मी – डॉ0 प्रेम सागर जैन, वीर निर्वाण ग्रन्थ प्रकाशन समिति, इन्दौर।
4. अशोक के अभिलेख – डॉ0 राजबली पाण्डेय, ज्ञानमण्डल लि0, वाराणसी।
5. गुप्तकालीन अभिलेख – रामगोपाल कुसुमांजलि प्रकाशन, जोधपुर।
6. भारत के प्रमुख अभिलेख – डॉ0 परमेश्वरीलाल गुप्ता, विश्वविद्यालय प्रकाशन,वाराणसी।

N. Rams

पाठ्यक्रम विवरण एवं सहायक ग्रन्थ सूची

एम0ए0 द्वितीय वर्ष

सेमेस्टर–चतुर्थ

(Group-A) (वेद–वर्ग)

प्रथम प्रश्नपत्र : (वैकल्पिक) सत्रीय परीक्षण : अंक 25, अंक 75 पूर्णांक : 100

ऋग्वेद संहिता एवं निरूक्त (A020101T) (वैकल्पिक)

भाग–1 – ऋग्वेद– सवितृसूक्त 1/35, मरूत सूक्त 1/85, अश्विनौ 7/71, मित्रसूक्त 3/59 (40 अंक)

भाग–2 – निरूक्त प्रथम अध्याय – प्रथम पाद। (15 अंक)

भाग–3 – निरूक्त प्रथम अध्याय – द्वितीय पाद। (15 अंक)

भाग–4 – निरूक्त प्रथम अध्याय – तृतीय पाद एवं चतुर्थ पाद। (15 अंक)

भाग–5 – निरूक्त प्रथम अध्याय – पंचम एवं षष्ठ पाद। (15 अंक)

सहायक ग्रंथ–

1. निरूक्त मीमांसा – डॉ0 शिवनारायण शास्त्री
2. वैदिक निर्वचन – डॉ0 शिवनारायण शास्त्री
3. न्यू वैदिक सेलेक्शन – पं0 पी0के0एन0एन0एस0 तैलंग एवं बी0बी0 चौबे।

(Group-A) (वेद–वर्ग)

द्वितीय प्रश्नपत्र : सत्रीय परीक्षण : अंक 25, अंक 75 पूर्णांक : 100

शुक्ल यजुर्वेद एवं प्रातिशाख्य (A020102T)

(1) शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन संहिता)

(2) वाजसनेयि प्रातिशाख्य (अध्याय 1 से 3 तक)

शुक्ल यजुर्वेद (माध्यन्दिन संहिता) (50 अंक)

भाग–1 – शुक्ल यजुर्वेद संहिता – प्रथम अध्याय

भाग–2 – शुक्ल यजुर्वेद संहिता – द्वितीय अध्याय

वाजसनेयि प्रातिशाख्य (अध्याय 1 से 3 तक) (50 अंक)

भाग–3 – वाजसनेयि प्रातिशाख्य – प्रथम अध्याय

भाग–4 – वाजसनेयि प्रातिशाख्य – द्वितीय अध्याय

भाग–5 – वाजसनेयि प्रातिशाख्य – तृतीय अध्याय

(Group-A) (वेद–वर्ग)

तृतीय प्रश्नपत्र : सत्रीय परीक्षण : अंक 25, अंक 75 पूर्णांक : 100

ऋग्वेद प्रातिशाख्य (A020103T)

भाग–1	–	ऋग्वेद प्रातिशाख्य, प्रथम पटल	(20 अंक)
भाग–2	–	ऋग्वेद प्रातिशाख्य, द्वितीय पटल	(20 अंक)
भाग–3	–	ऋग्वेद प्रातिशाख्य, तृतीय पटल	(20 अंक)
भाग–4	–	ऋग्वेद प्रातिशाख्य, षष्ठ पटल	(20 अंक)
भाग–5	–	समीक्षात्मक प्रश्न	(20 अंक)

(Group-A) (वेद–वर्ग)

चतुर्थ प्रश्नपत्र : सत्रीय परीक्षण : अंक 25, अंक 75 पूर्णांक : 100

ब्राह्मण, मीमांसा एवं वैदिक साहित्य (A020104T)

भाग–1	–	ब्राह्मण साहित्य–प्रतिपाद्य विषय,विधि एवं उसके प्रकार, अग्निहोत्र, अग्निष्टोम, दशपूर्णमासयज्ञ, पंचमहायज्ञ, आख्यान (शुनःशेप, वाङ्मनस्)	(30 अंक)
भाग–2	–	शतपथ् ब्राह्मण – प्रथम अध्याय	(20 अंक)
भाग–3	–	अर्थसंग्रह – लौंगाक्षिभास्कर (अर्थवाद एवं निषेध)	(20 अंक)
भाग–4	–	वैदिक साहित्य – वेदों का काल निरूपण, संहिता एवं आरण्यक साहित्य, वेदांग एवं निम्न उपनिषदों की विषय वस्तु तथा प्रमुख अवधारणाओं का अध्ययन– कठ, केन, प्रश्न, मुण्डक, बृहदारण्यक, श्वेताश्वतर।	(30 अंक)

सहायक ग्रंथ–

1. डॉ0 कामेश्वरनाथ मिश्र
2. वैदिक संस्कृत साहित्य का इतिहास – डॉ0 बल्देव उपाध्याय

(Group-B) (साहित्य वर्ग)

प्रथम प्रश्नपत्र : सत्रीय परीक्षण : अंक 25, अंक 75 पूर्णांक : 100

गद्य एवं काव्य (A020105T)

भाग–1	– कादम्बरी कथामुखम् (शूद्रक, चाण्डालकन्या, शुक, विन्ध्याटवी)	(30 अंक)
भाग–2	– विक्रमांकदेवचरितम् – प्रथम सर्ग (प्रारम्भिक 30 श्लोक)	(15 अंक)
भाग–3	– नैषधीयचरितम् – प्रथम सर्ग (60 श्लोक पर्यन्त	(35 अंक)
भाग–4	– संस्कृत गद्य एवं महाकाव्य का उत्कर्ष काल।	(10 अंक)
भाग–5	– उपर्युक्त तीनों पर समीक्षात्मक प्रश्न।	(10 अंक)

सहायक ग्रंथ–

1. कादम्बरी कथा – प्रो0 जयशंकर लाल त्रिपाठी
2. कादम्बरी कथा – डॉ0 विश्वम्भर नाथ त्रिपाठी
3. विक्रमांकदेवचरितम् – विल्हणकृत, व्याख्याकार श्री गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर, चौखम्भा संस्कृत सीरीज आफिस, वाराणसी।
4. नैषधीय चरितम् – आचार्य सुरेन्द्रदेव शास्त्री, चौखम्भा ओरियन्टल, वाराणसी।

(Group-B) (साहित्य वर्ग)

द्वितीय प्रश्नपत्र : सत्रीय परीक्षण : अंक 25, अंक 75 पूर्णांक : 100

काव्यशास्त्र एवं निबन्ध (A020106T)

भाग–1 – काव्य प्रकाश, (तृतीय उल्लास) (40 अंक)

भाग–2 –काव्य प्रकाश (चतुर्थ उल्लास) (40 अंक)

भाग–3 – साहित्यिक निबन्ध–काव्यशास्त्रीय छः सम्प्रदायों से सम्बन्धित (रस, वक्रोक्ति, औचित्य, रीति, ध्वनि, अलंकार), माघे संति त्रयोगुणाः, भरवेरर्थ गौरवं, उपमा कालिदासस्य, नैषधम् विद्वदौषधम्, बाणोच्छिष्टम् जगत सर्वम्, वाणी वाणो बभूव, माघेसन्तित्रयोगुणाः, दण्डिनः पदलालित्यम्, नवसर्गगते माघे नव शब्दो न विद्यते (20 अंक)

सहायक ग्रंथ–

1. मृच्छकटिकम् – प्रो0 जयशंकर लाल त्रिपाठी, चौखम्भा प्रकाशन, वाराणसी।
2. उत्तररामचरितम् – डॉ0 रमाशंकर त्रिपाठी
3. वेणीसंहारम् – डॉ0 रमाशंकर त्रिपाठी

(Group-B) (साहित्य वर्ग)

तृतीय प्रश्नपत्र : सत्रीय परीक्षण : अंक 25, अंक 75 पूर्णांक : 100

काव्यशास्त्र एवं नाट्य शास्त्र (A020107T)

भाग–1 – औचित्यविचार चर्चा – आचार्य क्षेमेन्द्रकृत (रसौचित्य पर्यन्त) (30 अंक)

भाग–2 – दशरूपक – प्रथम प्रकाश। (20 अंक)

भाग–3 – दशरूपक – द्वितीय प्रकाश। (20 अंक)

भाग–4 – दशरूपक – तृतीय प्रकाश। (15 अंक)

भाग–5 – दशरूपक – चतुर्थ प्रकाश। (15 अंक)

(Group-B) (साहित्य वर्ग)

चतुर्थ प्रश्नपत्र : सत्रीय परीक्षण : अंक 25, अंक 75 पूर्णांक : 100

नाटक एवं नाट्य शास्त्र (A020108T)

भाग–1 – नाट्य शास्त्र –प्रथम अध्याय (1–25 कारिका, 41–46 कारिका, 54–121 कारिका) (30 अंक)

भाग–2 – नाट्य शास्त्र – षष्ठ अध्याय, रसनिरूपण (अभिनव भारती सहित) (20 अंक)

भाग–3 – वेणीसंहारम् – प्रथम, द्वितीय अंक (25 अंक)

भाग–4 – साहित्य दर्पण – षष्ठ परिच्छेद। (25 अंक)

(Group-C) (दर्शन वर्ग)

प्रथम प्रश्नपत्र : सत्रीय परीक्षण : अंक 25, अंक 75 पूर्णांक : 100

न्याय वैशेषिक (A020109T)

न्याय सिद्धान्त मुक्तावली

भाग–1 – न्याय सिद्धान्त मुक्तावली (प्रत्यक्ष खण्ड) (25 अंक)

भाग–2 – न्याय सिद्धान्त मुक्तावली (अनुमान खण्ड) (25 अंक)

भाग–3 – न्यायसूत्र, (प्रमाण मीमांसा) (30 अंक)

भाग–4 – दोनों ग्रंथों से सम्बन्धित समीक्षात्मक प्रश्न। (20 अंक)

सहायक ग्रंथ–

1. न्याय रिद्धान्त मुक्तावली – आचार्य ज्वाला प्रसाद गौड़।

(Group-C) (दर्शन वर्ग)

द्वितीय प्रश्नपत्र : सत्रीय परीक्षण : अंक 25, अंक 75 पूर्णांक : 100

सांख्य–योगदर्शन (A020110T)

भाग–1 – सांख्यतत्व कौमुदी – (वाचस्पति मिश्र) (25 अंक)
(कारिका 1–25 प्रश्न एवं व्याख्या)

भाग–2 – सांख्यतत्व कौमुदी – (वाचस्पति मिश्र) (25 अंक)
(कारिका 26–68 प्रश्न एवं व्याख्या)

भाग–3 – योगसूत्र–व्यासभाष्य सहित। (25 अंक)
(1) समाधिपाद, (1 – 30)

भाग–4 – योगसूत्र–व्यासभाष्य सहित। (25 अंक)
(2) कैवल्यपाद (1 – 15)

सहायक ग्रंथ–

1. संख्यतत्व कौमुदी – आचार्य गजानन शास्त्री मुजलगाँवकर
2. पातंजल योगसूत्र – आचार्य ब्रह्मलीन मुनि, चौखम्भा प्रकाशन,वाराणसी। (व्यासभाष्य)

(Group-C) (दर्शन वर्ग)

तृतीय प्रश्नपत्र : सत्रीय परीक्षण : अंक 25, अंक 75 पूर्णांक : 100

वैदिक एवं अवैदिक दर्शन (A020111T)

सर्वदर्शन संग्रह

भाग–1 – चार्वाक दर्शन (20 अंक)

भाग–2 – बौद्ध दर्शन (20 अंक)

भाग–3 – जैन दर्शन (20 अंक)

भाग–4 – वेदान्त परिभाषा (प्रत्यक्ष–परिच्छेद) (40 अंक)

सहायक ग्रंथ–

1. वेदान्त परिभाषा – पं० गजानन शास्त्री मुजलगाँवकर
2. वेदान्त परिभाषा – प्रो० पारसनाथ द्विवेदी
3. सर्वदर्शन संग्रह – डॉ० उमाशंकर ऋषि

N. Rama

(Group-C) (दर्शन वर्ग)

चतुर्थ प्रश्नपत्र : सत्रीय परीक्षण : अंक 25, अंक 75 पूर्णांक : 100

वेदांत एवं मीमांसा (A020112T)

सर्वदर्शन संग्रह

भाग–1 – ब्रह्मसूत्र शांकर भाष्य (चतुःसूत्री) (40 अंक)

भाग–2 – अर्थसंग्रह (लौंगाक्षिभास्कर) (अर्थवाद एवं निषेध) (40 अंक)

भाग–3 – दार्शनिक निबन्ध– सत्यकार्यवादः, परिणामवादः, सर्वं खल्विदं ब्रह्म, योगः कर्मसु कौशलम्, तत्वमसि, अहं ब्रहमास्मि, नेह नानास्ति किञ्चनः, अनुबन्ध चतुष्टयम्, मोक्षविमर्शः, ईश्वरवादः, प्रमाण मीमांसा, माया वादः, अध्यारोपवादः। (20 अंक)

सहायक ग्रंथ–

1. ब्रह्मसूत्र शांकर भाष्य – चौखम्भा प्रकाशन
2. अर्थसंग्रह – कामेश्वरनाथ मिश्र
3. भारतीय दर्शनशास्त्र – डॉ0 बलदेव उपाध्याय
4. " – डॉ0 उमेश मिश्र

(Group-D) (व्याकरण वर्ग)

प्रथम प्रश्नपत्र : सत्रीय परीक्षण : अंक 25, अंक 75 पूर्णांक : 100

व्याकरण परम्परा (A020113T)

भाग–1 – पाणिनिपूर्व तथा त्रिमुनि (30 अंक)

(1) प्रातिशाख्य, शिक्षा, निरूक्त
पाणिनि के पूर्ववर्ती आचार्य शाकटायन, आपिशलि आदि।

(2) पाणिनि, कात्यायन एवं पतंजलि।

भाग–2 – पाणिनीय– (35 अंक)

काशिका, न्यास, पदमंजरी तथा अन्य वृत्ति ग्रंथ, नव्य व्याकरण परम्परा–पाणिनीय पद्धति – इसके मूलस्रोत एवं विकास नागेशभट्ट पर्यन्त।

भाग–3 – व्याकरण के दार्शनिक सिद्धान्त, व्याकरण–दर्शन की उत्पत्ति एवं विकास– पतंजलि, भर्तृहरि, कौण्डभट्ट, नागेशभट्ट। (35 अंक)

सहायक ग्रंथ–

1. व्याकरण शास्त्र का इतिहास – पं0 युधिष्ठिर मीमांसक
2. पाणिनीय व्याकरण का अनुशीलन – डॉ0 रामशंकर भट्टाचार्य, इण्डोलाजिकल बुक हाउस, वाराणसी।
3. संस्कृत व्याकरण का उद्भव और विकास– सत्यकाम वर्मा, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी।
4. An account of the exiling systems of Sanskrit Grammar by Belvcckar, Shripad Krishna, 1976, Bhoriya Vidya Prakashan.

(Group-D) (व्याकरण वर्ग)

द्वितीय प्रश्नपत्र : सत्रीय परीक्षण : अंक 25, अंक 75 पूर्णांक : 100

प्राचीन पाणिनीय व्याकरण ((A020114T)

भाग–1	– महाभाष्य (द्वितीय आह्निक)	(25 अंक)
भाग–2	– भर्तृहरि – वाक्यपदीयम् (प्रथम खण्ड)	(25 अंक)
भाग–3	– वैयाकरण भूषण सार (कौण्ड भट्ट विरचिता –सुनर्थ निर्णय)	(25 अंक)
भाग–4	– वाक्यपदीयम् का स्वरूप।	(10 अंक)
भाग–5	– महाभाष्य तथा वैयाकरण भूषण सार पर आलोचनात्मक प्रश्न।	(15 अंक)

सन्दर्भ ग्रंथ–

1. वाक्यपदीयम् – श्री सूर्यनारायण शुक्ल एवं पं0 राम गोविन्द शुक्ल
2. महाभाष्य – चारूदेव शास्त्री
3. वैयाकरण भूषणसार – अनन्त शास्त्री फड़के एवं डॉ0 कपिलदेव गिरि।
4. महाभाष्य – पं0 युधिष्ठिर मीमांसक।

(Group-D) (व्याकरण वर्ग)

तृतीय प्रश्नपत्र : सत्रीय परीक्षण : अंक 25, अंक 75 पूर्णांक : 100

काशिका एवं प्रत्यय ((A020115T)

भाग–1	– काशिका प्रथम अध्याय का प्रथम पाद	(40 अंक)
भाग–2	– सिद्धान्त कौमुदी के अनुसार–	(60 अंक)

(क) तद्धित– अपत्यार्थक एवं मत्वर्थीय।
(ख) तिङन्त–एध्, अद्, अस्, हु, दिव्, षुञ्, तद्, तन्।
(ग) प्रत्ययान्त–णिजन्त, सन्नत, यङन्त, यङ्लुगन्त, नामधातु।

सन्दर्भ ग्रंथ–

1. काशिकावृत्ति – नारायण मिश्र, रत्ना पब्लिकेशन, वाराणसी।
2. सिद्धान्त कौमुदी – डॉ0 ब्रह्मानन्द शुक्ल, शारदा संस्कृत संस्थान, वाराणसी।

(Group-D) (व्याकरण वर्ग)

चतुर्थ प्रश्नपत्र : सत्रीय परीक्षण : अंक 25, अंक 75 पूर्णांक : 100

अष्टाध्यायी, शिक्षा, सिद्धान्त कौमुदी एवं आचार्य परिचय ((A020116T)

भाग–1 – अष्टाध्यायी–अष्टम् अध्याय (तृतीय एवं चतुर्थ पाद) (40 अंक)

भाग–2 – पाणिनी शिक्षा (20 अंक)

भाग–3 – सिद्धान्त कौमुदी – स्त्री प्रत्यय प्रकरण– उत्तर कृदन्त (20 अंक)

भाग–4 – निम्न आचार्यों का परिचय – 1. पाणिनी, कात्यायन्, भर्तृहरि, वामनजयादित्य, भट्टोजीदीक्षित, नागेश भट्ट, जैनेन्द्र, कैय्यट। (20 अंक)

सन्दर्भ ग्रंथ–

1. अष्टाध्यायी – पं0 युधिष्ठिर मीमांसक
2. सिद्धान्त कौमुदी – तरिणीस झा, प्रकाशन केन्द्र लखनऊ।
3. व्याकरण साहित्य का इतिहास – पं0 रमाकान्त शुक्ल
4. " – पं0 युधिष्ठिर मीमांसक।